



MICROFINANCE INSTITUTIONS NETWORK

Media Visibility Report

Case Study: Svatantra Microfin: Providing Unwavering Support to Women Entrepreneurs

Region: West Bengal

Date of Dissemination: September 10, 2020

Media Coverage Index

S. No.	Date	Publication Name	Edition
1.	28.09.2020	Prabhat Khabar	Kolkata
2.	14.09.2020	Morning India	Kolkata
3.	16.09.2020	Ekdin	Kolkata
4.	28.09.2020	Samagya	Kolkata
5.	29.09.2020	Sambadprabha	Kolkata
6.	14.09.2020	Daily Independent mail	Kolkata
7.	16.09.2020	Aitijyabangla	Kolkata
8.	29.09.2020	Mahanagar	Kolkata
9.	15.09.2020	Eastern Observer	Kolkata
10.	16.09.2020	Arthiklipi	Kolkata

Publication	Prabhat Khabar
Edition	Kolkata
Date	28 th September, 2020
Page No.	4

स्वतंत्र माइक्रोफिन: महिला उद्यमियों को अटूट समर्थन

बर्धमान: माइक्रोफाइनेंस स्वतंत्र होने में मदद करके पश्चिम बंगाल में कई महत्वाकांक्षी महिलाओं के जीवन को बेहतर बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। पश्चिम बंगाल के बर्धमान जिले के निवासी पुष्पा संतरा की विकास कहानी अलग नहीं है। सितंबर २०१९ तक पुष्पा अपने छोटे से परिवार के साथ तीन के घर के रूप में अपना जीवन जी रही थी। उसका पति अन्य ग्रामीणों की कृषि भूमि पर काम करने वाला दिहाड़ी मजदूर था। उनके द्वारा उत्पन्न आय परिवार की दैनिक जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं थी। उनकी मौद्रिक स्थिति के कारण उनके बच्चे की शिक्षा भी बुरी तरह प्रभावित हुई। परिवार अपनी वित्तीय स्थिति में सुधार के लिए एक रास्ता तलाश रहा था जब पुष्पा स्वतंत्र माइक्रोफिन और उनके माइक्रो-क्रेडिट प्रसाद में आया था। वह अपने परिवार का समर्थन करने के उद्देश्य से स्वतंत्र माइक्रोफिन की सदस्य बन गईं। उसने अपना पहला ऋण लिया और उसके घर के पास एक किराने की छोटी दुकान खोली। धीरे-धीरे किराने की दुकान से होने वाली आय की मदद से पारिवारिक परिस्थितियों में सुधार होने लगा। दंपति अब अपने बच्चे को बेहतर शिक्षा प्रदान करने में सक्षम थे और अपने परिवार के लिए बेहतर भविष्य की उम्मीद कर रहे थे। देशव्यापी तालाबंदी के दौरान उसके व्यवसाय पर असर पड़ा और उसने एक महीने के लिए स्थगन का विकल्प चुना। हालांकि स्वतंत्र माइक्रोफिन से उन्हें मिलने वाले सभी लाभों को देखते हुए उन्होंने संस्था द्वारा दी गई मोहलत के बावजूद अपने ऋण के समय पर पुनर्भुगतान का विकल्प चुना।

Publication	Morning India
Edition	Kolkata
Date	14 th September, 2020
Page No.	2

Svatantra Microfin: Providing Unwavering Support to Women Entrepreneurs

Kolkata : Microfinance has been playing an essential role in improving the lives of many aspiring women in West Bengal by helping them become independent. The growth story of Puspa Santra, a resident of Bardhaman District, West Bengal, is no different. Until September 2019, Puspa was living her life as a home-maker with her small family of three. Her husband was a daily wage labourer working on agricultural land of other villagers. The income generated by him was not enough to suffice the daily needs of the family. The education of their child also got severely impacted due to their monetary condition. The family was looking for a way to improve their financial condition when Puspa came across SvatantraMicrofin and their micro-credit offerings. She became a member of SvatantraMicrofin with an aim to support her family. She took her first loan of Rs. 33083, and opened a small grocery shop near her house. Gradually, the family conditions started improving with the help of the income generated from the grocery shop. The couple was now able to provide better education to their child and hoping for a better future for their family. During the nationwide lockdown, her business got impacted, and she opted moratorium for one month. However, looking at all the benefits she was getting from SvatantraMicrofin, she opted for timely repayment of her loan, despite the moratorium offered by the institution. Showing her gratitude towards the microfinance company, she said, "SvatantraMicrofin has helped us run our small business and has come to our aid time and again. We are thankful to SvatantraMicrofin for standing by in the hour of need."

Publication	Ekdin
Edition	Kolkata
Date	16 th September, 2020
Page No.	4

স্বতন্ত্র মাইক্রোফিন - মহিলাদের আর্থিক সমস্যার মুশকিলাশন

কলকাতা : পশ্চিমবঙ্গের মহিলাদের স্বাবলম্বী করে তোলার পিছনে মাইক্রোফাইন্যান্স এক গুরুত্বপূর্ণ ভূমিকা পালন করে। পশ্চিমবঙ্গের বর্ধমান জেলার পুষ্পা সাতরার স্বাবলম্বী হয়ে ওঠার পিছনেও মাইক্রোফাইন্যান্সের এক গুরুত্বপূর্ণ ভূমিকা রয়েছে। গত ২০১৯ সালের সেপ্টেম্বর অবধি পুষ্পা স্বামী ও সন্তান নিয়ে গৃহবধূ হয়ে জীবনযাপন করছিল। পুষ্পার স্বামী অন্য গ্রামবাসীর জমিতে দিন মজুরের কাজ করেন তাই সংসারের দৈনন্দিন প্রয়োজন মেটানোর জন্য তার উপার্জন যথেষ্ট ছিল না। পর্যাপ্ত রোজগার না হওয়ার ফলে সন্তানের পড়াশুনার খরচ চালানোটাও তার জন্য মারাত্মক হয়ে উঠেছিল। ই রকম পরিস্থিতিতে পরিবারের আর্থিক উন্নতির জন্য যখন একটি উপায় খুঁজছিল পুষ্পা এবং তার স্বামী তখনই তারা স্বতন্ত্র মাইক্রোফিন এবং তাদের মাইক্রো ক্রেডিট অফারগুলোর ব্যাপারে জানতে পারে। নিজের পরিবারকে আর্থিকভাবে সহায়তা করতে পুষ্পা শীঘ্রই এই সংস্থাটির সদস্য হয়ে গেল এবং স্বতন্ত্র

মাইক্রোফিন থেকে ৩৩০৮৩/- টাকার একটি ঋণ নিয়ে তার বাড়ির সামনে একটি মুদি দোকান খোলে। দোকান থেকে হওয়া উপার্জনে পুষ্পার পরিবারে ধীরে ধীরে উন্নতি হতে লাগে। পুষ্পা এবং তার স্বামী এখন তার সন্তানের ভালো শিক্ষালাভের ব্যবস্থা করতে পেরেছে এবং তারা এক সুন্দর ভবিষ্যতের প্রত্যাশা করছে। পুষ্পা একমাস ঋণ পরিশোধ সুগতি রাখে কারণ দেশজুড়ে লকডাউন চলার ফলে পুষ্পার ব্যবসা মন্দা চলে। লকডাউনের জন্য স্বতন্ত্র মাইক্রোফিন ঋণ পরিশোধে সুগতিদেশ জারি করা সত্ত্বেও এই সংস্থা থেকে পাওয়া বিভিন্ন সুবিধার কথা মাথায় রেখে পুষ্পা রাজি ছিল ঋণ পরিশোধ করতে। পুষ্পা মাইক্রোফাইন্যান্স কম্পানির প্রতি কৃতজ্ঞতা প্রকাশ করে বলেন যে স্বতন্ত্র মাইক্রোফিন তাদের সাহায্য করেছে এই ছোট্ট ব্যবসাটি শুরু করতে এবং প্রতিবার তাদের দিকে সাহায্যের হাত বাড়িয়ে দিয়েছে। আর্থিক প্রয়োজনের সময় মাইক্রোফিনকে পাশে পাওয়ায় পুষ্পা এবং তার পরিবার এই সংস্থার কাছে চিরকৃতজ্ঞ।

Publication	Samagya
Edition	Kolkata
Date	28 th September, 2020
Page No.	7

स्वतंत्र माइक्रोफिन कि सहायता से वित्तीय स्थिति में सुधार

वर्धमान: माइक्रोफाइनेंस स्वतंत्र होने में मदद करके पश्चिम बंगाल में कई महत्वाकांक्षी महिलाओं के जीवन को बेहतर बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। पश्चिम बंगाल के वर्धमान जिले के निवासी पुष्पा संतरा की विकास कहानी अलग नहीं है। सितंबर २०१९ तक पुष्पा अपने छोटे से परिवार के साथ तीन के घर के रूप में अपना जीवन जी रही थी। उसका पति अब्य ग्रामीणों की कृषि भूमि पर काम करने वाला दिहाड़ी मजदूर था। उनके द्वारा उत्पन्न आय परिवार की दैनिक जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं थी। उनकी मोद्रिक स्थिति के कारण उनके बच्चे की शिक्षा भी बुरी तरह प्रभावित हुई। परिवार अपनी वित्तीय स्थिति में सुधार के लिए एक रास्ता तलाश रहा था जब पुष्पा स्वतंत्र माइक्रोफिन और उनके माइक्रो-क्रेडिट प्रसाद में आया था। वह अपने परिवार का समर्थन करने के उद्देश्य से स्वतंत्र माइक्रोफिन की सदस्य बन गईं। उसने अपना पहला ऋण लिया और उसके घर के पास एक किराने की छोटी दुकान खोली। धीरे-धीरे किराने की दुकान से होने वाली आय की मदद से पारिवारिक परिस्थितियों में सुधार होने लगा। दंपति अब अपने बच्चे को बेहतर शिक्षा प्रदान करने में सक्षम थे और अपने परिवार के लिए बेहतर भविष्य की उम्मीद कर रहे थे। देशव्यापी तालाबंदी के दौरान उसके व्यवसाय पर असर पड़ा और उसने एक महीने के लिए स्थगन का विकल्प चुना। हालांकि स्वतंत्र माइक्रोफिन से उन्हें मिलने वाले सभी लाभों को देखते हुए उन्होंने संस्था द्वारा दी गई मोहलत के बावजूद अपने ऋण के समय पर पुनर्भुगतान का विकल्प चुना।

Publication	Sambadprabha
Edition	Kolkata
Date	29 th September, 2020
Page No.	2

মহিলাদের আর্থিকভাবে স্বাবলম্বী করতে এসে গিয়েছে স্বতন্ত্র মাইক্রোফিন

কলকাতা : এই বাংলার বহু উচ্চাকাঙ্ক্ষী মহিলাকে স্বাবলম্বী করতে সাহায্য করেছে মাইক্রোফাইন্যান্স। পশ্চিমবঙ্গের বর্ধমান জেলার পুন্ডা সীতারার স্বাবলম্বী হয়ে ওঠার পিছনেও মাইক্রোফাইন্যান্সের এক গুরুত্বপূর্ণ ভূমিকা রয়েছে। গত ২০১৯ সালের সেপ্টেম্বর অবধি তিনজনের এক ছোট্ট সংসারে গৃহবধূ হয়ে জীবনযাপন করছিল পুন্ডা। তার স্বামী হলেন এক দিন মজুর যিনি অন্য গ্রামবাসীর জমিতে কাজ করেন। তার উপার্জন সংসারের দৈনন্দিন প্রয়োজন মেটানোর জন্য যথেষ্ট ছিল না। পর্যাপ্ত রোজগার না হওয়ার ফলে সন্তানের পড়াশুনার খরচ চালানোটাও তার জন্য মারাত্মক হয়ে উঠেছিল। এই পরিস্থিতিতে পুন্ডা এবং তার স্বামী যখন পরিবারের আর্থিক উন্নতির জন্য একটি উপায় খুঁজছে ঠিক তখনই তারা স্বতন্ত্র মাইক্রোফিন এবং তাদের মাইক্রো ক্রেডিট অফারগুলোর কথা জানতে পারলো। নিজের পরিবারকে আর্থিকভাবে সহায়তা করতে পুন্ডা শীঘ্রই এই সংস্থাটির সদস্য হয়ে চাল এবং স্বতন্ত্র মাইক্রোফিন থেকে ৩৩০৮৩/- টাকার একটি ঋণ নিয়ে তার বাড়ির সামনে একটি মুদি দোকান খোলো। ধীরে ধীরে দোকান থেকে হওয়া উপার্জনে তাদের পরিবারের উন্নতি হতে লাগে। পুন্ডা এবং তার স্বামী এখন তার সন্তানের ভালো শিক্ষালাভের ব্যবস্থা করতে পেরেছে এবং তারা এক সুন্দর ভবিষ্যতের প্রত্যাশা করছে। দেশজুড়ে লকডাউন চলার ফলে পুন্ডার ব্যবসা মন্দা চলে তাই তিনি একমাস ঋণ পরিশোধ স্থগিত রাখে। লকডাউনের জন্য স্বতন্ত্র মাইক্রোফিন ঋণ পরিশোধে স্থগিতাদেশ জারি করা সত্ত্বেও এই সংস্থা থেকে পাওয়া বিভিন্ন সুবিধার কথা মাথায় রেখে পুন্ডা রাজি ছিল ঋণ পরিশোধ করতে। মাইক্রোফাইন্যান্স কম্পানির প্রতি কৃতজ্ঞতা প্রকাশ করে পুন্ডা বলেন যে স্বতন্ত্র মাইক্রোফিন তাদের সাহায্য করেছে এই ছোট্ট ব্যবসাটি শুরু করতে এবং বার বার তাদের দিকে সাহায্যের হাত বাড়িয়ে দিয়েছে। তিনি আরও বলেন যে প্রয়োজনের সময়ে তাদের পাশে থাকার জন্য স্বতন্ত্র মাইক্রোফিনের কাছে তারা চিরকৃতজ্ঞ।

Publication	Daily Independent mail
Edition	Kolkata
Date	14 th September, 2020
Page No.	4

Svatantra Microfin: Providing Unwavering Support to Women Entrepreneurs

Kolkata- Microfinance has been playing an essential role in improving the lives of many aspiring women in West Bengal by helping them become independent. The growth story of Puspa Santra, a resident of Bardhaman District, West Bengal, is no different. Until September 2019, Puspa was living her life as a home-maker with her small family of three. Her husband was a daily wage labourer working on agricultural land of other villagers. The income generated by him was not enough to suffice the daily needs of the family. The education of their child also got severely impacted due to their monetary condition. The family

was looking for a way to improve their financial condition when Puspa came across SvatantraMicrofin and their micro-credit offerings. She became a member of SvatantraMicrofin with an aim to support her family. She took her first loan of Rs. 33083, and opened a small grocery shop near her house. Gradually, the family conditions started improving with the help of the income generated from the grocery shop. The couple was now able to provide better education to their child and hoping for a better future for their family. During the nationwide lockdown, her business got impacted, and she opted moratorium for one

month. However, looking at all the benefits she was getting from SvatantraMicrofin, she opted for timely repayment of her loan, despite the moratorium offered by the institution. Showing her gratitude towards the microfinance company, she said, "SvatantraMicrofin has helped us run our small business and has come to our aid time and again. We are thankful to SvatantraMicrofin for standing by in the hour of need." Svatantra is a next-gen microfinance entity offering differential banking solutions. At Svatantra, we constantly leverage technological innovation in order to bank the unbanked.

Publication	Aitijyabangla
Edition	Kolkata
Date	16 th September, 2020
Page No.	3

বৃত্তান্ত মাইক্রোফিন হল মাইক্রো

ফ্রেডিটের এক নম্বর সংস্থা

কর্মরান : মাইক্রোফাইন্যান্স হল এমন একটি কম্পানি যারা পচিবঙ্গের বহু উচ্চাকাঙ্ক্ষী মহিলাকে ব্যবসায়ী করতে সহায়্য করেছে। পুশা সঁতরা হলেন পচিবঙ্গের কর্মরান জেলার বাপিনা যার ব্যবসায়ী হয়ে ওঠার পিছনেও এক গুরুত্বপূর্ণ ভূমিকা রয়েছে মাইক্রোফাইন্যান্সের। গত ২০১৯ সালের সেপ্টেম্বর অবধি পুশা বানী ও সন্তান নিয়ে গৃহস্থ্য হয়ে জীবনযাপন করছিল। পুশার বানী অন্য গ্রামবাসীর তুলিতে গিন মতনের কাজ করেন তাই স্রস্রের সৈননিন প্রয়োজন মেটানের জন্য তার উপার্জন যথেষ্ট ছিল না। পর্যাপ্ত রোজগার না হওয়ার ফলে পুশার বানীর জন্য মরাত্মক হয়ে উঠেছিল সন্তানের পড়াশুনার খরচ চালানোও। এই রকম পরিস্থিতিতে পরিবারের আর্থিক উন্নতির জন্য যখন একটি উপায় খুঁতছিল পুশা একর তার বানী ঠিক তখনই তারা বৃত্তান্ত মাইক্রোফিন একর তাদের মাইক্রো ফ্রেডিট অফারওলের ব্যাপারে জানতে পারে। শীঘ্রই পুশা নিজের পরিবারকে আর্থিকভাবে সহায়তা করতে এই স্রস্রটির সদস্য হয়ে যায়। এরপর তিনি বৃত্তান্ত মাইক্রোফিন থেকে ৩৩০৮০/- টাকার একটি ঋণ নিয়ে তার বাড়ির সমনে একটি মুদি লোকান খোলে। লোকান থেকে হওয়া উপার্জনে পুশার পরিবারে ধীরে ধীরে উন্নতি হতে লাগে। পুশা একর তার বানী এখন তার সন্তানের ভালো শিক্ষালাভের ব্যবস্থা করেছে একর তারা প্রত্যাশার রয়েছে এক সুন্দর ভবিষ্যতের। পুশা একরাস ঋণ পরিশোধ স্থগিত রাখে কারণ দেশভুক্ত লকডাউন চলার ফলে পুশার ব্যবসা মন্দা চলে। লকডাউনের জন্য বৃত্তান্ত মাইক্রোফিন ঋণ পরিশোধে স্থগিতাদেশ জারি করা স্রত্রেও পুশা রাজি ছিল ঋণ পরিশোধ করতে কারণ এই স্রস্র থেকে পাওয়া বিভিন্ন সুবিধার কথা তার মধ্যয় ছিল। পুশা মাইক্রোফাইন্যান্স কম্পানির প্রতি কৃতজ্ঞতা প্রকাশ করে বলেন যে বৃত্তান্ত মাইক্রোফিন তাদের সহায়্য করেছে এই ছোট ব্যবসায়টি শুরু করতে একর প্রতিবার তাদের গিকে সহায়্যের হাত বাড়িয়ে গিয়েছে। পুশা বলেন যে বৃত্তান্ত মাইক্রোফিনের কাছে তারা চিরকৃতজ্ঞ কারণ প্রয়োজনের সময় তারা এই স্রস্রকে পাশে পেয়েছে।

Publication	Mahanagar
Edition	Kolkata
Date	29 th September, 2020
Page No.	2

स्वतंत्र माइक्रोफिन: महिला उद्यमियों को अटूट समर्थन

बर्धमान: माइक्रोफाइनेंस स्वतंत्र होने में मदद करके पश्चिम बंगाल में कड़े महत्वाकांक्षी महिलाओं के जीवन को बहतर बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। पश्चिम बंगाल के बर्धमान जिले के निवासी पुष्पा संतरा की विकास कहानी अलग नहीं है। सितंबर २०१९ तक पुष्पा अपने छोट से परिवार के साथ तीन के घर के रूप में अपना जीवन जी रही थी। उसका पति अन्य ग्रामीणों की कृषि भूमि पर काम करने वाला दिहाड़ी मजदूर था। उनके द्वारा उत्पन्न आय परिवार की दैनिक जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं थी। उनकी मौद्रिक स्थिति के कारण उनके बच्चे की शिक्षा भी बुरी तरह प्रभावित हुई। परिवार अपनी वित्तीय स्थिति में सुधार के लिए एक रास्ता तलाश रहा था जब पुष्पा स्वतंत्र माइक्रोफिन और उनके माइक्रो-क्रेडिट प्रसाद में आया था। वह अपने परिवार का समर्थन करने के उद्देश्य से स्वतंत्र माइक्रोफिन की सदस्य बन गई। उसने अपना पहला ऋण लिया और उसके घर के पास एक किराने की छोटी दुकान खोली। धीरे-धीरे किराने की दुकान से होने वाली आय की मदद से पारिवारिक परिस्थितियां में सुधार होने लगा। दंपति अब अपने बच्चे को बहतर शिक्षा प्रदान करने में सक्षम थे और अपने परिवार के लिए बहतर भविष्य की उम्मीद कर रहे थे। दशव्यापी तालाबंदी के दौरान उसके व्यवसाय पर असर पड़ा और उसने एक महीने के लिए स्थगन का विकल्प चुना। हालांकि स्वतंत्र माइक्रोफिन से उन्हें मिलने वाले सभी लाभों को देखते हुए उन्होंने संस्था द्वारा दी गई मोहलत के बावजूद अपने ऋण के समय पर पुनर्भुगतान का विकल्प चुना।

Publication	Eastern Observer
Edition	Kolkata
Date	28 th September, 2020
Page No.	7

Svatantra Microfin: Providing Unwavering Support to Women Entrepreneurs

Bardhaman : Microfinance has been playing an essential role in improving the lives of many aspiring women in West Bengal by helping them become independent. The growth story of Puspa Santra, a resident of Bardhaman District, West Bengal, is no different. Until September 2019, Puspa was living her life as a home-maker with her small family of three. Her husband was a daily wage labourer working on agricultural land of other villagers. The income generated by him was not enough to suffice the daily needs of the family. The education of their child also got severely impacted due to their monetary condition. The family was looking for a way to improve their financial condition when Puspa came across SvatantraMicrofin and their micro-credit offerings. She became a member of SvatantraMicrofin with an aim to support her family. She took her first loan of Rs. 33083, and opened a small grocery shop near her house. Gradually, the family conditions started improving with the help of the income generated from the grocery shop. The couple was now able to provide better education to their child and hoping for a better future for their family. During the nationwide lockdown, her business got impacted, and she opted moratorium for one month. However, looking at all the benefits she was getting from SvatantraMicrofin, she opted for timely repayment of her loan, despite the moratorium offered by the institution. Showing her gratitude towards the microfinance company, she says, "SvatantraMicrofin has helped us run our small business and has come to our aid time and again. We are thankful to SvatantraMicrofin for standing by in the hour of need."

Publication	Arthiklipi
Edition	Kolkata
Date	16 th September, 2020
Page No.	2

মহিলাদের আর্থিকভাবে স্বাবলম্বী করতে এসে গিয়েছে স্বতন্ত্র মাইক্রোফিন

বর্ধমান : এই বাংলার বহু উচ্চাকাঙ্ক্ষী মহিলাকে স্বাবলম্বী করতে সাহায্য করেছে মাইক্রোফাইন্যান্স। পশ্চিমবঙ্গের বর্ধমান জেলার পুন্শা সাঁতরার স্বাবলম্বী হয়ে ওঠার পিছনেও মাইক্রোফাইন্যান্সের এক গুরুত্বপূর্ণ ভূমিকা রয়েছে। গত ২০১৯ সালের সেপ্টেম্বর অবধি তিনজনের এক ছোট্ট সংসারে গৃহবধূ হয়ে জীবনযাপন করছিল পুন্শা। তার স্বামী হলেন এক দিন মজুর যিনি অন্য গ্রামবাসীর জমিতে কাজ করেন। তার উপার্জন সংসারের দৈনন্দিন প্রয়োজন মেটানোর জন্য যথেষ্ট ছিল না। পর্যাপ্ত রোজগার না হওয়ার ফলে সন্তানের পড়াশুনার খরচ চালানোটাও তার জন্য মারাত্মক হয়ে উঠেছিল। এই পরিস্থিতিতে পুন্শা এবং তার স্বামী যখন পরিবারের আর্থিক উন্নতির জন্য একটি উপায় খুঁজছে ঠিক তখনই তারা স্বতন্ত্র মাইক্রোফিন এবং তাদের মাইক্রো ক্রেডিট অফারগুলোর কথা জানতে পারলো। নিজের পরিবারকে আর্থিকভাবে সহায়তা করতে পুন্শা শীঘ্রই এই সংস্থাটির সদস্য হয়ে গেল এবং স্বতন্ত্র মাইক্রোফিন থেকে ৩৩০৮৩/- টাকার একটি ঋণ নিয়ে তার বাড়ির সামনে একটি মুদি দোকান খোলে। ধীরে ধীরে দোকান থেকে হওয়া উপার্জনে তাদের পরিবারের উন্নতি হতে লাগে। পুন্শা এবং তার স্বামী এখন তার সন্তানের ভালো শিক্ষালাভের ব্যবস্থা করতে পেরেছে এবং তারা এক সুন্দর ভবিষ্যতের প্রত্যাশা করছে। দেশজুড়ে লকডাউন চলার ফলে পুন্শার ব্যবসা মন্দা চলে তাই তিনি একমাস ঋণ পরিশোধ স্থগিত রাখে। লকডাউনের জন্য স্বতন্ত্র মাইক্রোফিন ঋণ পরিশোধে স্থগিতাদেশ জারি করা সত্ত্বেও এই সংস্থা থেকে পাওয়া বিভিন্ন সুবিধার কথা মাথায় রেখে পুন্শা রাজি ছিল ঋণ পরিশোধ করতে। মাইক্রোফাইন্যান্স কম্পানির প্রতি কৃতজ্ঞতা প্রকাশ করে পুন্শা বলেন যে স্বতন্ত্র মাইক্রোফিন তাদের সাহায্য করেছে এই ছোট্ট ব্যবসায় শুরু করতে এবং বার বার তাদের দিকে সাহায্যের হাত বাড়িয়ে দিয়েছে। তিনি আরও বলেন যে প্রয়োজনের সময়ে তাদের পাশে থাকার জন্য স্বতন্ত্র মাইক্রোফিনের কাছে তারা চিরকৃতজ্ঞ।